Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Answer Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

J – 4307

PAPER – II

RAJASTHANI

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **8** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Serial No. of the booklet should be entered in the Answer-sheets and the Serial No. of Answer Sheet should be entered on this Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

   Example : (A) (B) ⬤ (D)

   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या उत्तर-पत्रक पर अंकित करें और उत्तर-पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : (A) (B) ⬤ (D)

   जबकि (C) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते है, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

RAJASTHANI

राजस्थानी

PAPER – II

प्रश्न पत्र – II

Note : This paper contains **fifty** (50) multiple-choice questions, each question carrying **two** (2) marks. Attempt **all** of them.

नोट : इस प्रश्न-पत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

नोट : इण प्रश्न पत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। हरेक प्रश्न सारु **दो** (2) अंक निर्धारित है। **सगळा ई** प्रश्नां रा उत्तर दौ।

1. 'म्हैं किणी रौ औरो-नोरौ नीं करूंला' अर 'थारै घरै कुण आयौ?,' यो वाक्यो रा रेखांकित सबदां में क्रमश : सर्वनाम है

(A) अनिस्चय वाची अर निस्चयवाची (B) अनिस्चय वाची अर प्रस्नवाची

(C) प्रस्नवाची अर संबंधवाची (D) प्रस्नवाची अर पुरसवाची

2. इकेवड़ो, बेवड़ो, तेवड़ो इत्याद सबदां में किसौ संख्यावाची विसेसण है ?

(A) अपूरणांक वाची विसेसण (B) समूहवाची विसेसण

(C) आवृत्ति वाचक विसेसण (D) हरवाची विसेसण

3. क्रमश : 'चरी नृत्य' अर 'अग्नि-नृत्य' नीचै लिखिया क्षेत्रां में कुण सै क्रम माथै सही लिखिमोडा है ?

(A) अलवर अर अजमेर (B) जयपुर अर बीकानेर

(C) अजमेर अर बीकानेर (D) बीकानेर अर अलवर

4. बागड.री मीराबाई रै नांव सूं प्रसिद्ध है

(A) चन्द्रसखी (B) सहजोबाई (C) गवरीबाई (D) सोढी नाथी

5. प्राकृत भाषा सूं 'भगवती री जोड़ ' नांव सूं, पैलौ अर सब सूं बडौ राजस्थानी अनुवाद करयो

(A) समय सुन्दर (B) आचार्य भीखण (C) जिन हर्ष (D) जयाचार्य

6. हाडौती बोली पर शोध कार्य करयौ

(A) नाधूलाल पाठक (B) डा. कन्हैयालाल शर्मा

(C) डा. शांति भारद्वाज 'राकेश' (D) रघुराजसिंह हाडा

7. लोक नाट्यकार लच्छीराम प्रख्यात है

(A) कुचामणी ख्याल रै कारण (B) शेखावरी ख्याल रै कारण

(C) किशनगढी ख्याल रै कारण (D) तुर्राकलंगी ख्याल रै कारण

8. लालदासी संत सम्प्रदाय प्रचलित है -

(A) ढूंढाड में (B) मेवात में (C) बागड में (D) शेखावटी में

9. बगड़ावत लोक – गाथा रौ कथानक किण जात सूं संबंधित है?

(A) गुजर (B) जाट (C) राजपूत (D) माहेश्वरी

10. राजस्थानी री प्रथम काव्य–रचना गिणी जै -

(A) ढोला मारूरा दूहा (B) भरतेश्वर बाहुबली घोर

(C) कान्हड़दे प्रबंध (D) रणमल्ल छंद

11. राजस्थान रा किण विश्वविद्यालय में सबसूं पैली राजस्थानी विभाग री थरपणा व्ही?

(A) जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर

(B) मोहनलाल सुखड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

(C) महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, अजमेर

(D) बीकानेर विश्वविद्यालय, बीकानेर

12. राजस्थानी में आकाशवाणी सूं सबसूं पैली समाचार प्रसारण कठै सूं सरू हुयौ ?

(A) जोधपुर (B) अजमेर (C) जयपुर (D) उदयपुर

13. 'वंश – भास्कर' ग्रंथ रा रचनाकार है

(A) कविराजा श्यामलदास दघवाडिया (B) बांकीदास आसिया

(C) सूर्यमल्ल मीसण (D) मुरारिदान

14. 'कालूयशोविलास' राजस्थानी महाकाव्य रा रचयिता है

(A) आचार्य तुलसी (B) आचार्य हस्तीमल

(C) आचार्य महाप्रज्ञ (D) आचार्य देवेन्द्र मुनि

15. राजस्थानी में तुकांत गद्य लिखीजै

(A) ख्यात में (B) वचनिका में (C) विगत में (D) बात में

16. राजस्थान में ब्रह्माजी रौ प्राचीन मिंदर है

(A) झालरापाटन में (B) पुष्कर में (C) कोलायत में (D) मातृकुण्डिया में

17. बैणेश्वर तीर्थ धाम स्थापित है

(A) बाँसवाडा जिला में (B) उदयपुर जिला में

(C) चित्तौड़ जिला में (D) डूँगरपुर जिला में

18. 'मरद जिकै संसार में, लखजे जीव विसाला रात दिवस रघुनाथ रा, लेवै नाम रसाल ।। ' यां च्यारूं ई चरणां मांय है

(A) मध्यमेळ वयण सगाई (B) सम वयण सगाई

(C) अन्तमेळ वयण सगाई (D) आदि मेळ वयण सगाई

19. 'नाडी भरियौ नीर, टाबरियौ झूलण गयौ । तरै न पूगौ तीर, वो डूबौ ।।' उक्त पद्यांश में किसौ छंद है ?

(A) बडौ दूहौ (B) शुद्ध दूहौ (C) सोरठियौ दूहौ (D) लंगडियौ दूहौ

20. राजास्थानी भाषा री काव्य रचना करती बेळा जठै दूजी भाषावारा सबंदा रौ मेळ व्हे जावै, उठै किसौ काव्य - दोष मांनीजै ?

(A) निनंग (B) जातिविरोध (C) छबकाळ (D) पांगळौ

21. राजस्थानी रौ पहलौ उपन्यास है

(A) आमै पटकी (B) कनक सुन्दर

(C) अनोखी आन (D) मैकती काया : मुळकती घरती

22. राजस्थानी में रेखाचित्र लिखण री परम्परा सरू करी

(A) भगवती प्रसाद दारूका (B) बद्री प्रसाद साकरिया

(C) मुरलीधर व्यास (D) बैजनाथ पंवार

23. राजस्थानी सबद कोश रै निर्माण कर्त्ता रौ नाम है

(A) सीताराम लाळस (B) रावत सारस्वत

(C) अगर चन्द नाहटा (D) नारायण सिंह भाटी

24. राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर री मुख पत्रिका रौ नाम है

(A) माणक (B) हरावळ (C) ओळमो (D) जागती जोत

25. 'धरम री जीत' राजस्थानी प्रबंध काव्य रा रचयिता है

(A) सरदार अली परिहार (B) जहूर खाँ मेहर

(C) अब्दुल वहीद कमल (D) अस्तअली खान मलकाण

26. राजस्थानी भाषा रा प्रथम व्याकरणकार हा

(A) नरोत्तम स्वामी (B) सीताराम लाळस

(C) बी.एल.माळी अशांत (D) पं. रामकरण आसोपा

27. राजस्थानी भाषा अर साहित्य पर पहलौ शोघ – कार्य करणिया विदेशी विद्वान रौ नाम है ।

(A) डा.एल.पी. तेस्सीतरी (B) सर जार्ज अब्राहिम ग्रिरसन

(C) कैलॉग (D) कर्नल टाड

28. डिंगळ वेलि साहित्य री परम्परा में आधुनिक राजस्थानी में वेलि साहित्य शैली रा रचनाकार रौ नाम है

(A) मुकनसिंह राठौड़ (B) सीताराम महर्षि

(C) भीम पण्ड्या (D) गजानन वर्मा

29. राजस्थानी भाषा रौ पहलौ अखिल भारतीय राजस्थानी सम्मेलन सन् 1944 में किण स्थान पर हुवौ ?

(A) कलकत्ता (B) दीनाजपुर (C) हैदराबाद (D) गोहाटी

30. नीचै लिखिया मांय सूं किण मुख्यमंत्री रै कार्यकाल में विधान सभा सूं राजस्थानी नै संविधान री आठवी अनुसूची मांय सम्मिलित करण सारू 'संकल्प' पारित हुयौ ?

(A) भैरोसिंह शेखावत (B) हरिदेव जोशी

(C) अशोक गहलोत (D) श्रीमती वसुन्धरा राजे

31. यां मांय सूं कुणसै क्रम पर लिख्या सगळा सबद ऊँट रा पर्यायवाची है ?

(A) हय, सैंधव, पंखाळ (B) पांगक, जाखोडो, करहौ

(C) गैबर, कुंजर, मैंशळ (D) माकड़, कीस, कपि

32. नीचै लिख्या मुहावरां में किसै मुहावरै रौ अरथ 'नुकसाण' करणौ' व्है

(A) गोडा देवणौ (B) अंगूठौ दिखावणौ

(C) गळै पड़णौ (D) गोडा टेकणौ

33. आधुनिक राजस्थानी गद्य रै विकास में लूंठौ सहयोग देवण खातर भारतेन्दु हरिश्चन्द्र कहीजै

(A) अन्नाराम सुदामा (B) सूर्यशंकर पारीक

(C) शिवचन्द्र भरतिया (D) मुरलीघर व्यास

34. 'ठाडी आली ठौड में, गोडी सामी पाळ । अब किण विध पाछौ फिरै, किण विधा साधै छाळ ।।' उक्त दूहौ किसी काव्य कृति सूं है ?

(A) बादळी (B) साँझ (C) राधा (D) लू

35. 'ढोला मारू रा दूहा ' रा संपादक – त्रय रा सही नाम किण क्रम माथै लिखियोडा है?

(A) डा. शंभुसिंह मनोहर, सूर्यशंकर पारीक, आनन्द प्रकाश दीक्षित

(B) नशेत्रम स्वामी, रामसिंह तंवर, सूर्यशंकर पारीक

(C) सूर्यकरण पारीक, नरोत्तम स्वामी, रामसिंह तंवर

(D) डा. मनोहर शर्मा, नरोत्तम स्वामी, सूर्यकरण पारीक

36. 'चेतावणी रा चूंगट्या' रा रचनाकार है

(A) सूर्यमल्ल मीसण (B) केसरीसिंह बारहठ

(C) बांकीदास (D) दुरसा आढा

37. 'मेवैरा रूंख' राजस्थानी में किण भाँत री कृति है ?

(A) कहाणी – संग्रह (B) निबंध – संग्रह (C) उपन्यास (D) संस्मरण संग्रह

38. कन्हैयालाल सेठिया री काव्य – कृति 'लीलटांस' में लीलटांस रौ प्रतीकार्य है

(A) बुद्धि (B) माया (C) सुगन चिड़ी (D) मुक्त जीवात्मा

39. अमर चूनडी कहाणी – संग्रह रा लेखक है

(A) विजयदान देथा (B) अन्नाराम सुदामा

(C) नृसिंह राजपुरोहित (D) दीन दयाल ओझा

40. नीचै लिखी कृतियाँ मांय डा. नारायणसिंह भाटी री काव्य – कृति है

(A) पतियारौ (B) मानखौ (C) चेतमांनखा (D) राधा

41. नीचै लिख्या मांय सूं किसौ उपन्यास अन्नाराम सुदामा रौ नीं है ?

(A) मैकती काया मुळकती घरती (B) आँधी अर आस्था

(C) घर संसार (D) हूँ गोरी किण पीव री

42. डा. नेमनारायण जोशी रै संस्मरण – संग्रह रौ नाम है

(A) मन सूं कदै नीं बीसरै (B) ओळूं री अखियाता

(C) उणियारा ओळूं तणा (D) यादां रा चितराम

43. करणा भील नै प्रसिद्धि मिळी

(A) नड वादक रै रूप में (B) सारंगी वादक रै रूप में

(C) रावणहत्या वादक रै रूप में (D) भपंग वादक रै रूप में

44. 'लूर' नृत्य रौ संबंध है

(A) टाबरां सूं (B) महिलावां सूं (C) आदमियां सूं (D) हिंजड़ां सूं

45. राजस्थानी में 'कालौ' सबद रौ अर्थ है

(A) काळै रंग रौ आदमी (B) काळियौ नाग

(C) अफीम (D) पागल आदमी

46. सिसोदिया राजवंश पर किसी देवी घणी तुस्टमान हुई ?

(A) आवड़भाता (B) बिखडी भाता (C) गीगाई माता (D) करणी माता

47. तेरहताळी नृत्य करण वाळा प्रसिद्ध दल रा सदस्य किण जात रा है ?

(A) कामड़ जात रा (B) गरासिया जात रा (C) भाट जात रा (D) लंगा जात रा

48. रणकपुर री प्रसिद्धि रौ प्रमुख कारण है

(A) उठा रा भाखर (B) जंगळायत (C) जैन मिंदर (D) नदी - नाळा

49. 'भणत' संज्ञक लोक - गीत किण भाँत रा लोक-गीत गिणी जै ?

(A) संस्कार गीत (B) तीज - तिंवार रा गीत

(C) शिकार रा गीत (D) श्रम-गीत

50. साहित रौ अरथ है जकौ सगळां रौ हित करै । जिण मांय सगळां रै हित रौ भाव छिपियोड़ौ होवै । पण आज रै इण जगत में कांई किणी सारूंऔ संभव है कै वो सराळां रौ हित साध सकै ? औ तौ साख्यात भगवान रै बूतै रौ काम है । तौ कांई इणीसारू रचनाकार नै स्त्रस्टा कैवता ? तौ पछै वो हित कीकर साधै ? असल में वो आपरै सामाजिक नै चेतन करै । वो वां मूल्यां नै थरपै जका जूंण रौ आधार होवै । वो अेक अैड़ी दीठ रौ विगसाव करै जकौ जूंण नै पोरवै । चोरवै अर भूंडै साहित री ओळख इण दीठ रै मापै ई कर सकां । जकी रचना इण दीठ रौ जित्तौ बत्तौ विगसाव करै वा उत्ती चौखी रचना बाजैला।

उक्त अवतरण रौ ठावकौ सार-संदेश वाक्य हुय सकै -

(A) साहित समाज रौ दरपण व्है

(B) रचनाकार नै भगवांन री भाँत स्त्रस्टा कैवणौ चाहीजै

(C) साहितकार आपरै सामाजिक नै चेतन करै ।

(D) सगळां रौहित साधणो साहितकार रै बुत्तै री बात व्है ।

- o O o -

Space For Rough Work